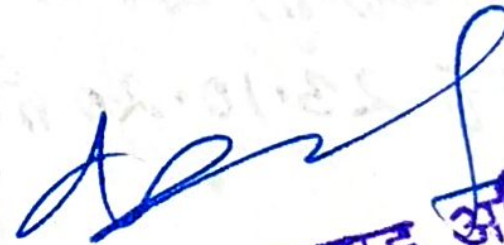


29.1.21

पयावली पैसा वकील खात्री उपस्थित थी  
जहाँ के लेखक से बहन विडान  
अधिवक्ता समयपस पर विचार

  
उपस्थित अधिकारी  
गमगंजमण्डी

- प्रमोद :-

किया। दोनों बरस बिना अधिकता जारी  
जाए शर्मा पक्ष के लक्ष्यों को रोबरकर  
शर्मा पक्ष को खीकाए करने के लिये  
किये गये।

बाद बरस पर्यावामी का आचोपान्त गहन  
अवगत एवं मनन किया गया। शर्मा जाग  
जाठ पक्ष में अंकित लिये, बर्तित लिये, वीचिह  
अनुलोष, अशर्मा का जवाब मम रिपोर्ट  
तथा प्रमाण में प्रस्तुत स्मोवेजात पर सम्पन्न  
बिना किया गया।

शर्मा जाग ग्राम मोड़क की इमि खसर  
नम्बर 1668 की कबा 1.23 ई० साविक ल.  
नम्बर 1345 (कबा ७१) तथा ख० ०० 1670  
कबा 0.81 ई. साविक 1345 (कबा ५) के  
क्रम में नकरी में उकसी बावत लिये करते  
हुये प्रस्तुत किया।

शर्मा का लिये है, कि ७१) २ इकि ७१) ०  
1345 काबावी के रूप में दर्ज थी, जिसके ग्राह  
पंचायत जाग परटे जाती किये गये थे। जिस  
जगह परटे जाती किये गये थे वर जाग  
1670 ख० नम्बर की लेना चारिये की 3 ई  
1668 के रूप में नकरी में दर्ज किया गया।  
मह खैरपुर की अरि थी नकरी उकसा  
जामाया जावे।

जाठ पक्ष पर जवाब साफा जाग लेने  
पर मो. का. किया गया।

  
उपखण्ड अधिकारी हुसैन-  
समगंजमण्डी

जबकि कर्माची में भेजित किया गया कि नतीजा  
में क्र.नं. 1668 राजपत्र दिनांक 14/11/19 में नथर्य अउसाए  
जहां की है वहां नतीजा में काबली बनी हुई  
ही तथा उक्त बनी हुई की क्र.नं. 1678 (कोलेली)  
की श्रम है, उक्त क्र.नं. की काबली में नहीं बरना  
जा सकता।

जबकि क्र. अन्त में पेटेन्ट आकाए जाए  
कोकिट किया गया कि एक अन्य आकाए क्रि.नं.  
14/19 में क्र.नं. 1670, 1661 में दि. 28.8.19 की  
निर्णय जारी किया जाऊए खान उरराए  
आदि. . . .

अपने कर्मों के तमाम में जमीं जाए  
श्रमि विद्यम विनोद पररा ग्राम पंचायत मोड़क  
पररा नं. 148 दि. 31.3.91 वरक वसेलीबार्  
पण्डितनाथ, इकालाना अनरजिड दि. 6.3.12  
इकालाना जाए दि. 30.1.2010 जाए वसेलीबार्  
वरक सुमील कुनाए (क्रामाश्रितियाँ), मुय्याए  
नामा जाए वसेलीबार् वरक सुमील कुनाए दि.  
1.2.10 (क्रामाश्रित), मुय्याएनाक मय्यासरि  
एवं विद्यमक अनरजिड जाए दि. -x- की  
क्रामाश्रित, कर्न किमान काग मोड़क 2004-24  
क्रामाश्रित, क्रामाश्रित ककर वय्या मोड़क  
वक, श्रि.नं. 118, 119 (हस) की आश्रित श्रि  
की क्रामा श्रित जारी जाए उप पजीयक रिजीय  
कीए, ककर काबेरी काग मोड़क 2054-59  
कोला नं. 1 की कोशिक ककर की क्रामाश्रित


  
उपखण्ड अधिकारी  
रामगंजमण्डी

हुसम-

श्री अंबारिषा कार्यालय सांख्यिक निमित्त  
विभाग नोरा के फाउंड (AO/CA 8-9 रि. 2.6.11)  
श्री दाय्याही, नरन पालेदी गान मोड़क  
2063-70 (बाला नं. 26 को अकाउंट छी की  
दाय्याही,

हम नरन दाय्याही अयावेदी एवं अयाव  
पेटेनाट साफाट ख. नं. 1670 की शक्ति जमी के  
मिन्ना खालेरातान् के नाम पर दर्ज रिकार्ड छे,  
जिन्हे अकाउंट में पसफाट नहीं बनाया गया छे  
जमी अलेसीबार्ड की ओर से मुख्या  
नाम के आधार पर जामना फा अमुता गला  
छे, किन्तु ख. नं. 1670 व 1668 के सम्बन्ध  
में नकरा में परिवर्तन कलाना चाला छे।  
ख. नं. 1670 या 1668 की शक्ति के लेबेल्  
में जमी के अलेसीबार्ड की ओर से जाठ  
पत्र पैस कर्ज का खत्व जाला छे (या नहीं)  
इस पर विचार अरु किम बगैट हम धाला  
136 C.R. Act 1956 के परिश्रेष्य में  
अकाउंट का विवेचन किया जाना उचित  
पार्ले कुर्य विचार किया जाना उचित फरक  
विवेचन नाले छे।

हम राजस्व अमितेय साखिक बलप  
नम्बर 1345 (कबा 611) आबादी दर्ज छे।  
उसके लठ बलप नम्बर 1668 में वर्तमान

  
उपखण्ड अधिकारी  
सामगंजबन्दी


कमय:-

में आबारी बनी हुई होने के प्रभाव में  
कम है।

जारी रखने के लिए 1668 के समय  
पर 1670 के कानून चार्ल्स II द्वारा जारी का कानून  
उक्त दोनों कानूनों में से किसे कानून  
नम्बर में है? जो कि कानून जारी हुआ  
प्रस्तुत नहीं किया है। जारी हुआ प्रस्तुत  
दस्तावेजों का दायित्व या प्रमाणित प्रती  
की दायित्व भाग है, जिन्हें न्यायालय  
हारा साक्ष्य के रूप में ग्राह्य नहीं  
किया जा सकता।

उक्त में एक साथ विचारपूर्वक  
संशोधित प्रकार जारी के प्रमाण-पत्र  
के अन्तर्गत से अस्तमित व्यक्त करते हुए  
प्रतीत नहीं होकर प्रमाण पत्र के अन्तर्गत  
से अस्तमित व्यक्त करते हैं।

प्रथम तो जारी द्वारा यह प्रमाणित  
नहीं किया कि उन्हें प्रमाण पत्र प्रस्तुत  
करने का वादना कि प्रमाण पत्र  
हारा ही साथ ही साथ उन्हें प्रमाण  
के अन्तर्गत से संबंधित अति न्यूनतम  
परतों को नतीके प्रकार संशोधित ही  
नहीं किया है।

  
उपस्थित अधिकारी  
राजगणमण्डी

समाप्त

क्र. 1 क्र. 2	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
------------------	-----------------------------------	---

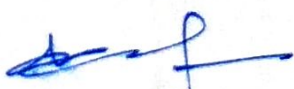
तृतीय शर्ती मय प्रमाणित करने में असफल रहे हैं, कि वर्तमान प्रमाणित न उक्त शर्तों के विपरीत तथा नियम विकृत ऐसी प्रविष्टी राजस्व अभिलेख या नये में नए दी गई है। L.R. Act 1958 की धारा 136 के तहत उक्त किया जा सके।

उक्त में जबाब सहाय मय मीना रिपोर्ट में स्पष्ट अंकित है, कि साबिक खसरा नम्बर 1345 तथा 7 वीया 12 बिम्बा शर्त में भाषादी या, वर्तमान खसरा नम्बर 1668 भी भाषादी दर्ज है, उक्त खसरा नम्बर की शर्त में भी भाषादी है,

इस उक्त साबिक 1345 तथा 7 वीया 12 बिम्बा तथा 1668 तथा 123 के शर्त के रिकार्ड में शर्ती का न तो शर्त में कोई खसरा प्रमाणित या न ही वर्तमान में खसरा प्रमाणित भी शर्त में खसरा नम्बर 1668 में भी शर्ती का कबला होना प्रमाणित नहीं है।

खसरा नम्बर 1670 पर शर्ती का खसरा प्रमाणित नहीं है, तथा खसरा नम्बर 1668 पर कबला शर्ती व प्रमाणित नहीं होता।

शर्ती का प्रमाणित मय प्रमाणित करने का लोनस रिकार्ड भी प्रमाणित नहीं होता है।

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 जयपुर

- प्रमाण -

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही का इतिहास जज	नम्बर अथवा हुकम तारीख में हुकम
---------------	--------------------------------	--

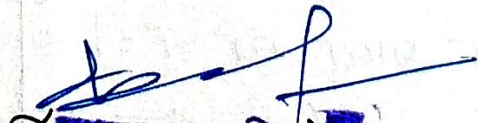
खास ही खास आर्यना पत्र जामी के  
 अनुसंधान से हितबद्ध परमाणु भी जामी तारा  
 वीचिकला कुकम्पी से पर्यवृत्त काइता मली  
 शाले ए।

जामी का आर्यना पत्र धारा 136 L.R. Act  
 1956 के सुसंगत आवधानों पर वीचिकला -  
 कुकम्पी रेल खरा मरीं उलता ए।

अतः गुणावगुठ। के आधा पर जाम  
 पत्र जामी खारिज किया जाता ए।

पत्रावली कैलल मुमाए ही रीजल्टर  
 में नोट अंकित ही। निमित्त में गठाना  
 ती जाऊत अविल्ट लेख भंडार ही।

निर्णय आज दिनांक 29.01.2021 को  
 मरे जा लिलवाया जाऊत विद्वन्त न्यायालय  
 में सुनाया गया।

  
 (देशपाल दाने गो)  
 'I. A. S.'